हजारों अजन्मी कन्या-भ्रूणों का कत्ल कर चुकी है डॉ निर्मल चोपड़ा

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 18 July 2017 21:27

: कन्या-भ्रूण के हत्यारे हैं आगरा के डॉक्टर और प्रशासन : चंद बरसों में अरबों का वारा-न्यारा कर देते हैं ऐसे भ्रूण-हत्यारे डॉक्टर : डॉक्टरों और प्रशासन की जानकारी में ही चलता है यह धंधा : डॉ निर्मल चोपड़ा, अभियान बेटी बचाने का, धंधा कन्याभ्रूण हत्या का :

कन्या भ्रूण हत्या

कुमार सौवीर

आगरा : बेहद व्यस्त, हद दर्जे तकशालीन, अपने काम में माहिर और व्यवहार-कुशल भी है डॉक्टर निर्मल चोपड़ा। लेकिन यह गुण तो केवल उस सिक्के के एक पहलू का है। इसी सिक्के का दूसरा पहलू पहले पहलू के ठीक विपरीत। पहले पहलू को देख कर जहां आपके मन में डॉक्टर निर्मल के प्रति अगाध श्रद्धा का सागर हिलोरें लेने लगेगा, वहीं दूसरे पहलू को देखते ही आप चौंक पड़ेंगे। आपको यकीन ही नहीं आयेगा कि क्या कोई शख्स इतना नीच और पिशाच भी हो सकता है।

जी हां, सच तो यही है कि यह दोनों ही पहलुओं वाली शख्सियत की मालकिन हैं डॉक्टर निर्मल चोपड़ा। एकदम पक्की चोट्टी, झूठी, बेईमान और नृशंस हत्यारी है आगरा वाली डॉक्टर निर्मल चोपड़ा। कहने को तो यह महिला आम आदमी को पीड़ा हरने के मूल और पवित्र पेशे से जुड़ी हुई है, लेकिन उसका असली धंधा पेट में पल रहे कन्या-भ्रूण को पहचान कर उन्हें कत्ल देने का अभियान छेड़ना ही है। इस डॉक्टर का असली धंधा दो दिन पहले ही राजस्थान के भरतपुर की पुलिस ने आगरा पुलिस के साथ एक संयुक्त कार्रवाई में डॉ निर्मल को दबोच लिया। इस कार्रवाई में डॉक्टर निर्मल चोपड़ा के तीन अन्य डॉक्टर और सक्रिय सहयोगी भी शामिल हैं।

आपको बता दें कि निर्मल चोपड़ा देश भर के डॉक्टरों के शीर्ष संगठन आईएमए यानी भारतीय चिकित्सा संघ के आगरा जिला चैप्टर की अध्यक्ष रह चुकी हैं। जिला स्तरीय इस संगठन में जिले के सैकड़ों डॉक्टर सदस्य हैं। डॉक्टर निर्मल चोपड़ा की पकड़ संगठन में बेहिसाब है। सूत्र बताते हैं कि डा. निर्मल चोपड़ा सन-08-09 के लिए आगरा आईएमए की अध्यक्ष चुनी गई थीं। लेकिन इस बीच उन्होंने संगठन पर अपना इतना जबर्दस्त दबदबा बना लिया कि आईएमए ने निर्मल चोपड़ा के कामकाज को बेहतर माना, और नतीजा यह हुआ कि संगठन ने सर्वसम्मति से उसको दूसरी बार भी मौका दे दिया।

कन्या भ्रूण-परीक्षण से जुड़ी खबरों को देखने के लिए कृपया निम्न लिंक पर क्लिक कीजिए :-

1 / 2

Written by कुमार सौवीर
Tuesday, 18 July 2017 21:27

[□□□□□□□ □□□□□□-□□□□□□□□]

हैरत की बात है कि आई□म□ ने डॉ नरि्मल चोपड़ा को तब अपना दो-दो बार का अध्□यक्ष चुना, जबकि उसके पहले ही डॉ चोपड़ा कन्□या भ्रूण-परीक्षण के अवैध धंधे में दबोची गयी थीं□ सन-07-08 में भी नरि्मल पर कड़ी कार्रवाई हुई थी□ □क छापामारी के बाद जिले के स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की जांच में इनके यहां अल्ट्रासाउंड मशीन पकड़ी थी□ हैरत की बात तो यह थी कि उस दौरान यह मशीन मुख्□य चिकित्□सा अधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत तक नहीं थी□ लेकिन पूरे शहर में डॉ नरि्मल के धंधे के डंके बज रहे थे□ उस सेंटर पर सुबह से लेकर देर रात तक मरीजों की भारी भीड़ जमी रहती थी□ उस छापे के बाद तत्कालीन सी□मओ ने नरि्मल के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया था□

लेकिन अब जब डाक्टर नरि्मल चोपड़ा को पुलिस ने रंगेहाथों दबोच कर उन समेत चार लोगों की गिरफ्तारी कर ली है, आई□म□ के मौजूद अध्यक्ष डा. आर□स कपूर ने अपने सुर ही बदल लिये हैं□ □क बयान में उन्□होंने कहा कि इससे आई□म□ की शाखा को भारी धक्का लगा है□ उनका कहना है कि उनकी संस्था खुद ही लिंग भ्रूण जांच करने वालों के खिलाफ है□ इतना ही नहीं, सघन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बेटी बचाओ के लि□ कार्य कर रही है□ डॉ कपूर ने बताया कि डा. नरि्मल चोपड़ा का आई□म□ आगरा शाखा बहिष्कार कर दिया गया है□ और जल्□दी ही संगठन की जनरल मीटिंग बुलाकर यह प्रस्ताव भी रखा जा□गा□

(अब www.meribitiya.com की हर खबर को
फौरन हासिल कीजिए अपनी फेसबुक पर।
मेरी बिटिया डॉट कॉम के फेसबुक पेज पर पधारिये और LIKE पर क्लिक कीजिए)

(अपने आसपास पसरी-पसरती दलाली, अराजकता, लूट, भ्रष्टाचार, टांग-खिंचाई और किसी प्रतिभा की हत्या की साजिशें किसी भी शख्स के हृदय-मन-मस्तिष्क को विचलित कर सकती हैं। समाज में आपके आसपास होने वाली कोई भी सुखद या घटना भी मेरी बिटिया डॉट कॉम की सुर्खिया बन सकती है। चाहे वह स्त्री सशक्तीकरण से जुड़ी हो, या फिर बच्चों अथवा वृद्धों से केंद्रित हो। हर शख्स बोलना चाहता है। लेकिन अधिकांश लोगों को पता तक नहीं होता है कि उसे अपनी प्रतिक्रिया कैसी, कहां और कितनी करनी चाहिए।अब आप नि:श्चिंत हो जाइये। अब आपके पास है एक बेफिक्र रास्ता, नाम है प्रमुख न्यूज पोर्टल www.meribitiya.com। आइंदा आप अपनी सारी बातें हम www.meribitiya.com के साथ शेयर कीजिए न। ऐसी कोई घटना, हादसा, साजिश की भनक मिले, तो आप सीधे हमसे सम्पर्क कीजिए। आप नहीं चाहेंगे, तो हम आपकी पहचान छिपा लेंगे, आपका नाम-पता गुप्त रखेंगे। आप अपनी सारी बातें हमारे ईमेल kumarsauvir@gmail.com पर विस्तार से भेज दें। आप चाहें तो हमारे मोबाइल 9415302520 पर भी हमें कभी भी बेहिचक फोन कर सकते हैं।)